बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र

1. **सुत्त संगहो** - लेखक - डॉ. वजमोहन पाण्डेय 'नलिन' : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।

पठनीय सुत्त - ब्रह्मजाल सुत्त, अम्बट्ठ सुत्त, महापरिनिब्बान सुत्त।

2. **सच्चसंगहो** - लेखक - भदंत आनन्द कौसल्यायन : प्रकाशक - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

अथवा

सम्पादक एवं अनुवादक - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री : प्रकाशक - बौद्धभारती, वाराणसी।

अंकों का विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न -	40 अंक
पठित अंशों से हिन्दी अनुवाद -	20 अंक
पठित अंशों से व्याख्या -	20 अंक
पारिभाषित टिप्पणियाँ -	20 अंक
कुल -	100 **अंक**

बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - प्रथम वर्ष

द्वितीय पत्र

1. **सुत्त संगहो** - लेखक - डॉ. वजमोहन पाण्डेय 'नलिन' : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।

पठनीय अंश - मूलपरियायसुत्त, समादिट्ठिसुत्त, वत्थसुत्त, महाराहुलोवादसुत्त।

2. **सत्तनिपात**(अट्ठकवग्ग) - सम्पादक एवं अनुवादक - भिक्षु धर्मरक्षित : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना।

अंकों का विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न -	50 अंक
पठित अंशों से व्याख्या -	20 अंक
पठित अंशों से हिन्दी अनुवाद -	20 अंक
पारिभाषित टिप्पणियाँ -	10 अंक
कुल -	100 **अंक**

बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - द्वितीय वर्ष

तृतीय पत्र

* **व्याकरण** - संधि, समास, कारक, उपसर्ग, निपात।

* **निपात** - अथ, अन्तरा, अज्ज, कुदाचनं, कदा, विना, अन्तरेण, यदा, ताव, सद्धिं।

अंकों का विभाजन

व्याकरण -	50 अंक
पालि से हिन्दी में अनुवाद -	25 अंक
हिन्दी से पालि में अनुवाद -	25 अंक
कुल -	100 **अंक**

अभिप्रस्तावित पुस्तकें -

1. **पालि महाव्याकरण** - लेखक - भिक्षु जगदीश काश्यप : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।

2. **कच्चायन व्याकरण** - लेखक - लक्ष्मीनारायण तिवारी तथा बीरबल : प्रकाशक - तारा बुक एजेंसी, कमच्छा, वाराणसी।

3. **पालि निपात समुच्च्य** - लेखक - डॉ. व्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन'

4. **पालि व्याकरण** - लेखक - डॉ. राम अवध पाण्डेय : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।

5. **पालि चन्दोदय** - लेखक - डॉ. जगदानन्द ब्रह्मचारी

6. **पालि निस्सेनी** - लेखक - भिक्षु जगदीश काश्यप

बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - द्वितीय वर्ष

चतुर्थ पत्र

* **बौद्ध दर्शन का इतिहास** - चार आर्य सत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, अष्टांगिक मार्ग

एवं

* **पालि साहित्य का इतिहास** - पालि भाषा एवं साहित्य का उद्‌भव एवं विकास, त्रिपिटक साहित्य, अनुपिटक साहित्य एवं अट्‌ठकथा साहित्य - 60 अंक

* **बुद्धकालीन भारतीय भूगोल** - 20 अंक

* **महावंश** - प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय संगीति - 20 अंक

कुल - 100 **अंक**

अभिप्रस्तावित पुस्तकें -

1. **पालि साहित्य का इतिहास** - लेखक - डॉ. भरत सिंह उपाध्याय : प्रकाशक - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

2. **हिस्ट्री ऑफ पालि लिटरेचर** - लेखक - डॉ. गायगर : प्रकाशक - पालि अेक्स्ट सोसायटी, लन्दन।

3. **बुद्धकालीन भारतीय भूगोल** - लेखक - डॉ. भरत सिंह उपाध्याय : प्रकाशक - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

4. **महावंश** - लेखक - डॉ. महेश तिवारी : प्रकाशक - बौद्ध विद्या विभाग।

बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - तृतीय वर्ष

पंचम पत्र

व्याकरण : कृदन्त - किच्च पच्चय।

तद्धित - अपच्च पच्चय, अधिकारबोधक पच्चय, इत्थी पच्चय निपात(अव्यय)।

भाषाविज्ञान : भाषोत्पत्ति के सिद्धान्त, भाषा और बोली, भारतीय भाषा परिवार का स्वरूप, मध्य भारतीय आर्य भाषा, पालि भाषा का उद्‌भव और विकास, पालि भाषा की विशेषताएँ, वैदिक भाषा और पालि का संबंध, भारतीय भाषा परिवार में पालि का स्थान, संस्कृत और पालि का सम्बन्ध।

छन्द : श्रुतविलम्भित, वसन्ततिलका, मालिनी, तोटक, दोधक, इन्दवजिरा, उपजाति, सिखरनी, भुजंगप्पयात, वंसट्‌ठ, अनुट्‌ठुभ।

अलंकार : अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, व्यतिरेक, दीपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, विभावना, विरोधाभास, विशेषोक्ति।

अंकों का विभाजन

व्याकरण -	50 अंक
भाषा-विज्ञान -	30 अंक
छन्द -	10 अंक
अलंकार -	10 अंक
कुल -	100 **अंक**

Books recomended -

1. **पालि महाव्याकरण** - लेखक - भिक्षु जगदीश काश्यप : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।
2. **पालि व्याकरण** - लेखक - डॉ. राम अवध पाण्डेय : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।
3. **पालि निपात समुच्च्य** - लेखक - डॉ. व्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन'
4. **भाषा विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र** - लेखक - डॉ. कपिल द्विवेदी
5. **पालि साहित्य का इतिहास** - लेखक - डॉ. भरत सिंह उपाध्याय
6. **पालि साहित्य का इतिहास** - लेखक - राहुल सांकृत्यायन
7. **वुत्तोदय** - लेखक - डॉ. धर्मरत्न

बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - तृतीय वर्ष

षष्ठम् पत्र

1. **महावग्ग** (उपोसथ स्कन्ध)।

2. **धम्मपद** (यमकवग्ग, अप्पमादवग्ग, बुद्धवग्ग, मग्गवग्ग, धम्मट्ठवग्ग)।

3. **सुत्तनिपात**(पारायणवग्ग)

अंकों का विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न -	50 अंक
पठित अंश से व्याख्या -	25 अंक
पठित अंश से अनुवाद -	25 अंक
कुल -	100 **अंक**

Books recomended -

1. **महावग्ग** - नालन्दा संस्करण
2. **धम्मपद** - लेखक - भिक्षु धर्मरक्षित
3. **सुत्तनिपात** - सम्पादक एवं अनुवादक - भिक्षु धर्मरक्षित

बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - तृतीय वर्ष

सप्तम् पत्र

1. **अभिधम्मत्थसंगहो** (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)।

2. **विसुद्धिमग्ग** (सील स्कन्ध)।

3. **मिलिन्दपञ्हो**(बाहिरकथा, लक्खणपञ्हो, विमतिच्छेदनपञ्हो)

4. **पारिभाषिक टिप्पणियाँ :** वेदना, पञ्ञा, मनसिकार, नीवरण, संयोजन, धुतंग, सद्धा, करूणा, पीति, निब्बाण।

अंकों का विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न -	40 अंक
व्याकरण -	20 अंक
अनुवाद -	20 अंक
पारिभाषिक टिप्पणी -	20 अंक
कुल -	100 **अंक**

Books recomended -

1. **अभिधम्मत्थसंगहो** - भवन्त रेवत धम्म एवं रामशंकर त्रिपाठी
2. **विसुद्धिमग्गो** - लेखक - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री : प्रकाशक - बौद्धभारती, वाराणसी।
3. **मिलिन्दपञ्हो** - लेखक - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री : प्रकाशक - बौद्धभारती, वाराणसी।
4. **विभज्यवाद** - लेखक - डॉ. ब्रह्मदेव नारायण शर्मा : प्रकाशक - समपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

बी.ए. पालि प्रतिष्ठा - तृतीय वर्ष

अष्टम् पत्र

1. **पालि में निबन्ध** (बुद्ध एवं बौद्ध दर्शन से सम्बद्ध)।

2. **हिन्दी या अंग्रेजी में निबन्ध**(बौद्ध दर्शन, साहित्य एवं प्राचीन भारतीय इतिहास से सम्बद्ध)।

3. **अशोक के अभिलेख** - सप्त शिलालेख।

4. **ऐतिहासिक टिप्पणियाँ**

अंकों का विभाजन

पालि में निबन्ध -	30 अंक
हिन्दी या अंग्रेजी में निबन्ध -	30 अंक
अभिलेख -	30 अंक
टिप्पणी -	10 अंक
कुल -	100 **अंक**

Books recomended -

1. **अशोक** - लेखक - डॉ. राधाकुमुद मुखर्जी
2. **अशोक के अभिलेख** - लेखक - डॉ. वेणीमाधव बरूआ
3. **पालि निबन्धावलि** - लेखक - डॉ. हरिशंकर शुक्ल

बी.ए. पालि अनुपूरक(पाठ्यक्रम) **प्रथम वर्ष**

प्रथम पत्र

1. **सुत्त संगहो** - लेखक - डॉ. व्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन' : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।

पठनीय सुत्त - महापरिनिब्बान सुत्त, सतिपट्टानसुत्त।

2. **धम्मपद** - लेखक - भिक्षु धर्मरक्षित : प्रकाशक - मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, पटना, वाराणसी।

पठनीय सुत्त - (प्रथम पाँच वर्ग) - यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो, पुप्फवग्गो, बालवग्गो।

अंकों का विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न -	40 अंक
पठित अंशों से हिन्दी अनुवाद -	20 अंक
पठित अंशों से व्याख्या -	20 अंक
पारिभाषित टिप्पणियाँ -	20 अंक
कुल -	100 **अंक**

बी.ए. पालि अनुपूरक(पाठ्यक्रम) द्वितीय वर्ष

द्वितीय पत्र

1. **सद्धम्मगाथा** - लेखक - डॉ. व्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन'

2. **महावंस** - (प्रथम एवं द्वितीय सुगीति)

3. **निदानकथा** - (जातकट्ठकथा भूमिका)

व्याकरण : शब्दरूप - बुद्ध, लता, भिक्खु, अम्ह, तुम्ह।

धातुरूप - पठ, लिख, चुर, सु।

कारक, समास।

निपात : अलं, कित्तावत्ता, चिरं, दिवा, याव, ताव, यथा।

अंकों का विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न -	30 अंक
अनुवाद -	20 अंक
व्याख्या -	20 अंक
व्याकरण -	30 अंक
कुल -	100 **अंक**